



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

अक्टूबर / October 27, 2020

**भारत सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत संस्थापित सिडबी के
स्टैंड अप मित्र पोर्टल पर मंजूर ऋणों की संख्या 96,000 से अधिक हुई**

**SIDBI's Standup Mitra Portal set up under GOI's Stand-Up India scheme
reaches over 96,000 loan sanctions**

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के मार्गदर्शन में स्टैंड-अप इंडिया के अग्रणी राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत स्थापित किए गए स्टैंडअप मित्र पोर्टल से यथा 30 सितंबर, 2020 तक 21,000 करोड़ रुपए के 96,000 से अधिक ऋण मंजूर किए जा चुके हैं। समाज के सेवा-वंचित और अल्पसेवित वर्ग के उद्यमियों को, किसी भी बैंक की शाखा में जाने की जरूरत के बिना, स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत ऋण के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए इस पोर्टल को अप्रैल 2016 में शुरू किया गया था। स्टैंड-अप इंडिया योजना, सेवा से वंचित/अल्पसेवित वर्ग की महिलाओं, अनुसूचित जाति (अ.जा.) और अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा.) के सदस्यों को अखिल भारतीय स्तर पर ऋण तक पहुँच सुनिश्चित करते हुए ग्रीनफील्ड (नए) उद्यम लगाने के लिए 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है।

The Standup Mitra Portal, which was set up by Small Industries Development Bank of India (SIDBI) under guidance of Department of Financial Services, Ministry of Finance, to pioneer national mission of Stand-Up India, has successfully recorded more than 96,000 loan sanctions worth more than Rs. 21,000 crore as on September 30, 2020. The portal was launched in April 2016 to extend online financial assistance to the unserved and underserved segment of the society without the need of visiting any bank branch and apply for loan online under the Stand-Up India Scheme. The Stand-Up India scheme targets at ensuring access to unserved/underserved segments of women and Scheduled Caste (SC) & Schedule Tribes (ST) pan India basis by providing them financial assistance starting from Rs.10 lakh to Rs.1 crore for setting up of greenfield (new) enterprises.

आकांक्षी उद्यमियों की विभिन्न ऋण और मार्गदर्शी पहुँच से जुड़े पहलुओं को आसान बनाने और उद्यमियों को (बैंकों की 1.25 लाख शाखाओं से) ऋण के लिए आवेदन करने में मदद प्रदान करने जिससे वे (8,000+ सक्रिय हैंडहोल्डिंग एजेंसियों से) हैंडहोल्डिंग समर्थन और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त कर सकें, इसमें यह

पोर्टल सदा उनके साथ रहा है। भारत सरकार (जीओआई) द्वारा यह योजना अब वर्ष 2025 तक बढ़ा दी गई है।

For easing various credit and handholding access aspects of aspirant helps entrepreneurs intending to apply for loan (1.25 lakh+ bank branches), seek handholding support (from 8,000+ active handholding agencies) and look for credible information, portal has been with them. The scheme has since been extended up to year 2025 by Government of India (GoI).

सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा कि “भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को डिजिटल पहुँच पर विशेष जोर के साथ कार्यान्वित कर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने का काम हमेशा सिडबी के प्रमुख प्रकार्यों में से एक रहा है। हमें खुशी है कि लगभग एक लाख उम्मीदवारों ने स्टैंड-अप इंडिया के तहत अपने नए उद्यम स्थापित करने का विकल्प चुना है। छूट गए ऐसे खानों/ खंडों को बढ़ावा देने और उनके सपनों को साकार करने के लिए हम आकांक्षी उद्यमियों को इस योजना पर विचार करने हेतु आमंत्रित करते हैं। हम दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के माध्यम से स्वावलंबन संकल्प का समर्थन करने जैसे कदम उठा रहे हैं, जो एससी / एसटी खंडों को मुख्यधारा में लाने के मिशन का प्रतिनिधित्व करता है। इस पोर्टल के माध्यम से हम स्वावलंबन को अपना पसंदीदा व्यवसाय बनाने के लिए देश के सभी खंडों और क्षेत्रों में समान पहुँच के मिशन को गहराई प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।”

Shri V.Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, “One of the major functions of SIDBI has always been strengthening the Micro, Small & Medium Enterprises’ (MSMEs) ecosystem through implementation of various GOI schemes with special thrust on digitizing access. We are happy that nearly a lakh of aspirants have opted to set up their new enterprises under Stand-Up India. In order to give further fillip to pockets/segments which are left out, we invite aspirants to look at this scheme for realizing their dreams. We are undertaking steps such as supporting Swavalamban Sankalp through Dalit Indian Chamber of Commerce and Industry (DICCI), which represents mainstreaming mission of SC/ST segments. Through the portal, we also look forward to deepen the mission of equitable outreach to all segments and regions in the country looking for making Swavalamban their preferred vocation.”

स्टैंड-अप इंडिया योजना को बढ़ावा देने के लिए सिडबी ने डीआईसीसीआई के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी वृहत अभियान (नेशनवाइड मेगा कैंपेन) अर्थात “स्वावलंबन संकल्प” शुरू किया है। कोविड-19 महामारी के कारण, अखिल भारतीय स्तर पर कार्यक्रमों की एक वेब-श्रृंखला शीघ्र ही आयोजित की जाने वाली है। श्री मिलिंद कांबले, अध्यक्ष, डीआईसीसीआई ने कहा कि “स्वावलंबन संकल्प, स्टैंड-अप इंडिया योजना के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री के फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत पहुँच के द्वारा 1.25 लाख एससी / एसटी उद्यमियों को सृजित करने का अभियान है। यह 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' का लाभ उठाएगा। सिडबी और डीआईसीसीआई पूरे भारत में उद्यम आकांक्षी अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के युवाओं तक पहुँच बनाकर उन्हें उद्यमी बनने के लिए तैयार करेंगे और निर्धारित समय में 1.25 लाख उद्यमी बनाने के लक्ष्य को पूरा करेंगे। डीआईसीसीआई एक अग्रणी उद्योग चैंबर है जो देश में एससी/एसटी उद्यमिता के विकास की दिशा में काम कर रहा है। स्वावलंबन संकल्प के माध्यम से स्टैंड-अप इंडिया इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लक्ष्य के साथ, डीआईसीसीआई और सिडबी के तालमेल से एससी/एसटी युवाओं और उद्यमियों की आकांक्षात्मक आवश्यकताओं के लिए पहुँच का व्यापक विस्तार होगा।”

To give fillip to Stand-Up India Scheme, SIDBI in collaboration with DICCI has launched Nationwide Mega Campaign viz. "Swavalamban Sankalp". Due to COVID-19 pandemic, a web-series of the programs is being scheduled pan India shortly. Shri Milind Kamble, Chairman, DICCI said, "Swavalamban Sankalp is the outreach campaign for Hon'ble Prime Minister's Flagship program to create 1.25 lakh SC/ST entrepreneurs through Stand-Up India scheme. It shall leverage the 'Atma Nirbhar Bharat Abhiyan'. SIDBI & DICCI shall reach out to aspirant SC/ST youth across India to handhold them in becoming entrepreneurs and shall complete the target of creating 1.25 lakh entrepreneurs in the stipulated time. DICCI is the pioneering industry chamber which is working towards development of SC/ST entrepreneurship in the country. With a vision to strengthen the Stand-Up India ecosystem, through Swavalamban Sankalp, the synergy of DICCI and SIDBI shall extensively expand the outreach to the aspirational needs of SC/ST youth and entrepreneurs."

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है।

अधिक जानने के लिए, देखें : www.standupmitra.in / www.udyamimitra.in

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements.

To know more, check out: www.standupmitra.in / www.udyamimitra.in

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई मेल: neelasrib@sidbi.in

Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in